आज

वाराणसी, २५ जुलाई, २०१५

उद्योग जगत में सफलता के लिए विश्वस्तरीय प्रतिभा तथा क्षमता जरूरी

एस.एम.एस. में आयोजित तीन दिवसीय पी.जी.डी.एम. तथा एम.बी.ए. ओरियेंटेशन कार्यक्रम के शुभारम्भ पर अंकुर जैन के विचार

स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेस (एस.एम.एस.) में तीन दिवसीय पी.जी.डी.एम. एवं एम.बी.ए.

ओरिएण्टेशन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि बाटा इण्डिया लिमिटेड के जनरल मैनेजर श्री अंकुर जैन ने कहा कि विद्यार्थी बड़ी महत्वाकांक्षा रखे और उसे प्राप्त करने हेतु निरन्तर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि एस.एम.एस. के पूर्व विद्यार्थी कारपोरेट जगत में उत्कृष्ट योगदान दे रहे है। इस योगदान ने कारपोरेट जगत की उम्मीद को बढ़ा दिया है। सफलता अर्जित करने हेतु कोई संक्षिप्त रास्ता नहीं होता है। सफलता हेतु व्यवहारिक कौशल, नव प्रवर्तन कौशल एवं निरन्तर स्वयं का विश्लेषण करना आवश्यक है। आचार-व्यवहार में अनुशासन का होना भी जरुरी है। उन्होंने यह भी कहा कि उद्योग जगत में सफलता के लिए बड़ी विश्वस्तरीय प्रतिभा तथा क्षमता की आवश्यकता है। एस.एम.एस. ने पूर्व के वर्षो से ही विद्यार्थियों में न केवल विश्वस्तरीय क्षमता का विकास किया है, अपितु एक उच्चस्तरीय विद्यार्थियों का समूह भी कारपोरेट में अपनी सामाजिक दायित्वों का निर्वाहन कर रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन तथा मां सरस्वती के माल्यार्पण से हुआ। अतिथियों एवं पीजीडीएम के २१ वें बैच एवं एम.बी.ए. के तृतीय बैच के विद्यार्थियों का एस.एम.एस. में स्वागत करते हुए निदेशक प्रोफेसर पी.एन.झा ने कहा कि सामाजिक एवं आर्थिक वातावरण में जो बदलाव देखने को मिल रहे है, वह विद्यार्थियों के समक्ष नवीन चुनौतियां उत्पन्न कर रहे है। इन चुनौतियों का सामना भारतीय मूल्यों एवं स्वविवेक के माध्यम से कैसे किया जाय, यह पी.जी.डी.एम. तथा एम.बी.ए., पाठयक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को बताया जाएगा। उन्होंने कहा कि परिवर्तन की गति इतनी तेज है कि पहले से ही अनुमानित किसी प्रकार का समाधान काम नहीं आता है। अतः एस.एम.एस. द्वारा प्रदत्त ज्ञान एवं साइसेंस, एस.एम.एस. द्वारा प्रदत्त ज्ञान एवं नेतृत्व की संरचना के अनुरुप समाधान मिल सकते हैं। प्रोफेसर मैनेजमेन्ट साइंसेस तथा उपयुक्त को विस्तारपूर्वक वर्णित किया। कार्यक्रम के दौरान ही प्रोफेसर संदीप सिंह डीन-डेवलपमेन्ट एण्ड स्टूडेन्ट्स अफेयर्स, एस.एम.एस. ने समकालीन प्रबन्धन शिक्षा के बारे में विस्तृत से जानकारी दी। कार्यक्रम में संस्थान के अधिशासी सचिव डाक्टर एम.पी.सिंह एवं रजिस्ट्रार श्री संजय गुप्त भी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर पी.एन.झा ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर आलोक कुमार डीन, रिसर्च डेवलपमेन्ट, एस.एम.एस. ने किया।